

५७। । एदेव केग्म्बुद्धम् तु द्विद्वयं श्वर्वद्वयं पवदीक्षेव हुयार्थी विद्यिष यत्वेण एव ॥























155  
 156  
 157  
 158  
 159  
 160  
 161  
 162  
 163  
 164  
 165  
 166  
 167  
 168  
 169  
 170  
 171  
 172  
 173  
 174  
 175  
 176  
 177  
 178  
 179  
 180  
 181  
 182  
 183  
 184  
 185  
 186  
 187  
 188  
 189  
 190  
 191  
 192  
 193  
 194  
 195  
 196  
 197  
 198  
 199  
 200  
 201  
 202  
 203  
 204  
 205  
 206  
 207  
 208  
 209  
 210  
 211  
 212  
 213  
 214  
 215  
 216  
 217  
 218  
 219  
 220  
 221  
 222  
 223  
 224  
 225  
 226  
 227  
 228  
 229  
 230  
 231  
 232  
 233  
 234  
 235  
 236  
 237  
 238  
 239  
 240  
 241  
 242  
 243  
 244  
 245  
 246  
 247  
 248  
 249  
 250  
 251  
 252  
 253  
 254  
 255  
 256  
 257  
 258  
 259  
 260  
 261  
 262  
 263  
 264  
 265  
 266  
 267  
 268  
 269  
 270  
 271  
 272  
 273  
 274  
 275  
 276  
 277  
 278  
 279  
 280  
 281  
 282  
 283  
 284  
 285  
 286  
 287  
 288  
 289  
 290  
 291  
 292  
 293  
 294  
 295  
 296  
 297  
 298  
 299  
 300  
 301  
 302  
 303  
 304  
 305  
 306  
 307  
 308  
 309  
 310  
 311  
 312  
 313  
 314  
 315  
 316  
 317  
 318  
 319  
 320  
 321  
 322  
 323  
 324  
 325  
 326  
 327  
 328  
 329  
 330  
 331  
 332  
 333  
 334  
 335  
 336  
 337  
 338  
 339  
 340  
 341  
 342  
 343  
 344  
 345  
 346  
 347  
 348  
 349  
 350  
 351  
 352  
 353  
 354  
 355  
 356  
 357  
 358  
 359  
 360  
 361  
 362  
 363  
 364  
 365  
 366  
 367  
 368  
 369  
 370  
 371  
 372  
 373  
 374  
 375  
 376  
 377  
 378  
 379  
 380  
 381  
 382  
 383  
 384  
 385  
 386  
 387  
 388  
 389  
 390  
 391  
 392  
 393  
 394  
 395  
 396  
 397  
 398  
 399  
 400  
 401  
 402  
 403  
 404  
 405  
 406  
 407  
 408  
 409  
 410  
 411  
 412  
 413  
 414  
 415  
 416  
 417  
 418  
 419  
 420  
 421  
 422  
 423  
 424  
 425  
 426  
 427  
 428  
 429  
 430  
 431  
 432  
 433  
 434  
 435  
 436  
 437  
 438  
 439  
 440  
 441  
 442  
 443  
 444  
 445  
 446  
 447  
 448  
 449  
 450  
 451  
 452  
 453  
 454  
 455  
 456  
 457  
 458  
 459  
 460  
 461  
 462  
 463  
 464  
 465  
 466  
 467  
 468  
 469  
 470  
 471  
 472  
 473  
 474  
 475  
 476  
 477  
 478  
 479  
 480  
 481  
 482  
 483  
 484  
 485  
 486  
 487  
 488  
 489  
 490  
 491  
 492  
 493  
 494  
 495  
 496  
 497  
 498  
 499  
 500  
 501  
 502  
 503  
 504  
 505  
 506  
 507  
 508  
 509  
 510  
 511  
 512  
 513  
 514  
 515  
 516  
 517  
 518  
 519  
 520  
 521  
 522  
 523  
 524  
 525  
 526  
 527  
 528  
 529  
 530  
 531  
 532  
 533  
 534  
 535  
 536  
 537  
 538  
 539  
 540  
 541  
 542  
 543  
 544  
 545  
 546  
 547  
 548  
 549  
 550  
 551  
 552  
 553  
 554  
 555  
 556  
 557  
 558  
 559  
 560  
 561  
 562  
 563  
 564  
 565  
 566  
 567  
 568  
 569  
 570  
 571  
 572  
 573  
 574  
 575  
 576  
 577  
 578  
 579  
 580  
 581  
 582  
 583  
 584  
 585  
 586  
 587  
 588  
 589  
 590  
 591  
 592  
 593  
 594  
 595  
 596  
 597  
 598  
 599  
 600  
 601  
 602  
 603  
 604  
 605  
 606  
 607  
 608  
 609  
 610  
 611  
 612  
 613  
 614  
 615  
 616  
 617  
 618  
 619  
 620  
 621  
 622  
 623  
 624  
 625  
 626  
 627  
 628  
 629  
 630  
 631  
 632  
 633  
 634  
 635  
 636  
 637  
 638  
 639  
 640  
 641  
 642  
 643  
 644  
 645  
 646  
 647  
 648  
 649  
 650  
 651  
 652  
 653  
 654  
 655  
 656  
 657  
 658  
 659  
 660  
 661  
 662  
 663  
 664  
 665  
 666  
 667  
 668  
 669  
 670  
 671  
 672  
 673  
 674  
 675  
 676  
 677  
 678  
 679  
 680  
 681  
 682  
 683  
 684  
 685  
 686  
 687  
 688  
 689  
 690  
 691  
 692  
 693  
 694  
 695  
 696  
 697  
 698  
 699  
 700  
 701  
 702  
 703  
 704  
 705  
 706  
 707  
 708  
 709  
 710  
 711  
 712  
 713  
 714  
 715  
 716  
 717  
 718  
 719  
 720  
 721  
 722  
 723  
 724  
 725  
 726  
 727  
 728  
 729  
 730  
 731  
 732  
 733  
 734  
 735  
 736  
 737  
 738  
 739  
 740  
 741  
 742  
 743  
 744  
 745  
 746  
 747  
 748  
 749  
 750  
 751  
 752  
 753  
 754  
 755  
 756  
 757  
 758  
 759  
 760  
 761  
 762  
 763  
 764  
 765  
 766  
 767  
 768  
 769  
 770  
 771  
 772  
 773  
 774  
 775  
 776  
 777  
 778  
 779  
 780  
 781  
 782  
 783  
 784  
 785  
 786  
 787  
 788  
 789  
 790  
 791  
 792  
 793  
 794  
 795  
 796  
 797  
 798  
 799  
 800  
 801  
 802  
 803  
 804  
 805  
 806  
 807  
 808  
 809  
 8010  
 8011  
 8012  
 8013  
 8014  
 8015  
 8016  
 8017  
 8018  
 8019  
 8020  
 8021  
 8022  
 8023  
 8024  
 8025  
 8026  
 8027  
 8028  
 8029  
 8030  
 8031  
 8032  
 8033  
 8034  
 8035  
 8036  
 8037  
 8038  
 8039  
 8040  
 8041  
 8042  
 8043  
 8044  
 8045  
 8046  
 8047  
 8048  
 8049  
 8050  
 8051  
 8052  
 8053  
 8054  
 8055  
 8056  
 8057  
 8058  
 8059  
 8060  
 8061  
 8062  
 8063  
 8064  
 8065  
 8066  
 8067  
 8068  
 8069  
 8070  
 8071  
 8072  
 8073  
 8074  
 8075  
 8076  
 8077  
 8078  
 8079  
 8080  
 8081  
 8082  
 8083  
 8084  
 8085  
 8086  
 8087  
 8088  
 8089  
 8090  
 8091  
 8092  
 8093  
 8094  
 8095  
 8096  
 8097  
 8098  
 8099  
 80100  
 80101  
 80102  
 80103  
 80104  
 80105  
 80106  
 80107  
 80108  
 80109  
 80110  
 80111  
 80112  
 80113  
 80114  
 80115  
 80116  
 80117  
 80118  
 80119  
 80120  
 80121  
 80122  
 80123  
 80124  
 80125  
 80126  
 80127  
 80128  
 80129  
 80130  
 80131  
 80132  
 80133  
 80134  
 80135  
 80136  
 80137  
 80138  
 80139  
 80140  
 80141  
 80142  
 80143  
 80144  
 80145  
 80146  
 80147  
 80148  
 80149  
 80150  
 80151  
 80152  
 80153  
 80154  
 80155  
 80156  
 80157  
 80158  
 80159  
 80160  
 80161  
 80162  
 80163  
 80164  
 80165  
 80166  
 80167  
 80168  
 80169  
 80170  
 80171  
 80172  
 80173  
 80174  
 80175  
 80176  
 80177  
 80178  
 80179  
 80180  
 80181  
 80182  
 80183  
 80184  
 80185  
 80186  
 80187  
 80188  
 80189  
 80190  
 80191  
 80192  
 80193  
 80194  
 80195  
 80196  
 80197  
 80198  
 80199  
 80200  
 80201  
 80202  
 80203  
 80204  
 80205  
 80206  
 80207  
 80208  
 80209  
 80210  
 80211  
 80212  
 80213  
 80214  
 80215  
 80216  
 80217  
 80218  
 80219  
 80220  
 80221  
 80222  
 80223  
 80224  
 80225  
 80226  
 80227  
 80228  
 80229  
 80230  
 80231  
 80232  
 80233  
 80234  
 80235  
 80236  
 80237  
 80238  
 80239  
 80240  
 80241  
 80242  
 80243  
 80244  
 80245  
 80246  
 80247  
 80248  
 80249  
 80250  
 80251  
 80252  
 80253  
 80254  
 80255  
 80256  
 80257  
 80258  
 80259  
 80260  
 80261  
 80262  
 80263  
 80264  
 80265  
 80266  
 80267  
 80268  
 80269  
 80270  
 80271  
 80272  
 80273  
 80274  
 80275  
 80276  
 80277  
 80278  
 80279  
 80280  
 80281  
 80282  
 80283  
 80284  
 80285  
 80286  
 80287  
 80288  
 80289  
 80290  
 80291  
 80292  
 80293  
 80294  
 80295  
 80296  
 80297  
 80298  
 80299  
 80300  
 80301  
 80302  
 80303  
 80304  
 80305  
 80306  
 80307  
 80308  
 80309  
 80310  
 80311  
 80312  
 80313  
 80314  
 80315  
 80316  
 80317  
 80318  
 80319  
 80320  
 80321  
 80322  
 80323  
 80324  
 80325  
 80326  
 80327  
 80328  
 80329  
 80330  
 80331  
 80332  
 80333  
 80334  
 80335  
 80336  
 80337  
 80338  
 80339  
 80340  
 80341  
 80342  
 80343  
 80344  
 80345  
 80346  
 80347  
 80348  
 80349  
 80350  
 80351  
 80352  
 80353  
 80354  
 80355  
 80356  
 80357  
 80358  
 80359  
 80360  
 80361  
 80362  
 80363  
 80364  
 80365  
 80366  
 80367  
 80368  
 80369  
 80370  
 80371  
 80372  
 80373  
 80374  
 80375  
 80376  
 80377  
 80378  
 80379  
 80380  
 80381  
 80382  
 80383  
 80384  
 80385  
 80386  
 80387  
 80388  
 80389  
 80390  
 80391  
 80392  
 80393  
 80394  
 80395  
 80396  
 80397  
 80398  
 80399  
 80400  
 80401  
 80402  
 80403  
 80404  
 80405  
 80406  
 80407  
 80408  
 80409  
 80410  
 80411  
 80412  
 80413  
 80414  
 80415  
 80416  
 80417  
 80418  
 80419  
 80420  
 80421  
 80422  
 80423  
 80424  
 80425  
 80426  
 80427  
 80428  
 80429  
 80430  
 80431  
 80432  
 80433  
 80434  
 80435  
 80436  
 80437  
 80438  
 80439  
 80440  
 80441  
 80442  
 80443  
 80444  
 80445  
 80446  
 80447  
 80448  
 80449  
 80450  
 80451  
 80452  
 80453  
 80454



















३५  
३६  
३७  
३८  
३९  
४०  
४१  
४२



୩୭

୩୮

୩୯

୪୦

୪୧

୪୨

୪୩

୪୪

୪୫

୪୬

୪୭

୪୮

୪୯

୫୦

୫୧

୫୨

୫୩

୫୪

୫୫

୫୬

୫୭

୫୮

୫୯

୬୦

୬୧

୬୨

୬୩

୬୪

୬୫

୬୬

୬୭

୬୮

୬୯

୭୦

୭୧

୭୨

୭୩

୭୪

୭୫

୭୬

୭୭

୭୮

୭୯

୮୦

୮୧

୮୨

୮୩

୮୪

୮୫

୮୬

୮୭

୮୮

୮୯

୯୦

୯୧

୯୨

୯୩

୯୪

୯୫

୯୬

୯୭

୯୮

୯୯

୧୦୦

୧୦୧

୧୦୨

୧୦୩

୧୦୪

୧୦୫

୧୦୬

୧୦୭

୧୦୮

୧୦୯

୧୧୦

୧୧୧

୧୧୨

୧୧୩

୧୧୪

୧୧୫

୧୧୬

୧୧୭

୧୧୮

୧୧୯

୧୨୦

୧୨୧

୧୨୨

୧୨୩

୧୨୪

୧୨୫

୧୨୬

୧୨୭

୧୨୮

୧୨୯

୧୨୧୦

୧୨୧୧

୧୨୧୨

୧୨୧୩

୧୨୧୪

୧୨୧୫

୧୨୧୬

୧୨୧୭

୧୨୧୮

୧୨୧୯

୧୨୨୦

୧୨୨୧

୧୨୨୨

୧୨୨୩

୧୨୨୪

୧୨୨୫

୧୨୨୬

୧୨୨୭

୧୨୨୮

୧୨୨୯

୧୨୨୧୦

୧୨୨୧୧

୧୨୨୧୨

୧୨୨୧୩

୧୨୨୧୪

୧୨୨୧୫

୧୨୨୧୬

୧୨୨୧୭

୧୨୨୧୮

୧୨୨୧୯

୧୨୨୨୦

୧୨୨୨୧

୧୨୨୨୨

୧୨୨୨୩

୧୨୨୨୪

୧୨୨୨୫

୧୨୨୨୬

୧୨୨୨୭

୧୨୨୨୮

୧୨୨୨୯

୧୨୨୨୧୦

୧୨୨୨୧୧

୧୨୨୨୧୨

୧୨୨୨୧୩

୧୨୨୨୧୪

୧୨୨୨୧୫

୧୨୨୨୧୬

୧୨୨୨୧୭

୧୨୨୨୧୮

୧୨୨୨୧୯

୧୨୨୨୨୦

୧୨୨୨୨୧

୧୨୨୨୨୨

୧୨୨୨୨୩

୧୨୨୨୨୪

୧୨୨୨୨୫

୧୨୨୨୨୬

୧୨୨୨୨୭

୧୨୨୨୨୮

୧୨୨୨୨୯

୧୨୨୨୨୧୦

୧୨୨୨୨୧୧

୧୨୨୨୨୧୨

୧୨୨୨୨୧୩

୧୨୨୨୨୧୪

୧୨୨୨୨୧୫

୧୨୨୨୨୧୬

୧୨୨୨୨୧୭

୧୨୨୨୨୧୮

୧୨୨୨୨୧୯

୧୨୨୨୨୨୦

୧୨୨୨୨୨୧

୧୨୨୨୨୨୨

୧୨୨୨୨୨୩

୧୨୨୨୨୨୪

୧୨୨୨୨୨୫

୧୨୨୨୨୨୬

୧୨୨୨୨୨୭

୧୨୨୨୨୨୮

୧୨୨୨୨୨୯

୧୨୨୨୨୨୧୦

୧୨୨୨୨୨୧୧

୧୨୨୨୨୨୧୨

୧୨୨୨୨୨୧୩

୧୨୨୨୨୨୧୪

୧୨୨୨୨୨୧୫

୧୨୨୨୨୨୧୬

୧୨୨୨୨୨୧୭

୧୨୨୨୨୨୧୮

୧୨୨୨୨୨୧୯

୧୨୨୨୨୨୨୦

୧୨୨୨୨୨୨୧

୧୨୨୨୨୨୨୨

୧୨୨୨୨୨୨୓

୧୨୨୨୨୨୨୔

୧୨୨୨୨୨୨୕

୧୨୨୨୨୨୨ୖ

୧୨୨୨୨୨୨ୗ

୧୨୨୨୨୨୨୘

୧୨୨୨୨୨୨୙

୧୨୨୨୨୨୨୚

୧୨୨୨୨୨୨ୗ

୧୨୨୨୨୨୨୘



୫୪  
ଶ୍ରୀ ଗଜୁମୀ କୃଷ୍ଣାକୁଳଙ୍କୁଳିତନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀଲକ୍ଷ୍ମୀପଦାର୍ତ୍ତରେ ପଦ୍ମପଦ୍ମମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀଚରଣମହାତ୍ମାମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ

୫୨  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ  
ଶ୍ରୀରାଧାରୀମନ୍ତ୍ରରେ





ਤੁ ਚ ਦ੍ਰਿਪ ਪਰਿ ਸੂਪ ਪਲੰਦ ਵਸ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਬੁਝ ਵੰਡ ਅਨੀ ਏ ਪ੍ਰਦੁਸ਼ੋਤੰ। ਸੁ ਹੁ ਵਾ ਸੁ ਦ ਪੀ ਦੂਖ ਉਕੜ ਕੁ ਰੀ ਸਦਣ ਏ। ਸੁ ਘੁ ਰੁ ਦ ਗੁਪਾ ਪੀ  
ਤੁ ਸੁ ਖੁ ਵ ਪਾ ਧੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਵੁ ਵ ਵ ਕਲ ਵ ਗਾ ਏ। ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਵੀ ਸੂਪ ਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ  
ਵੈ ਸੁ ਣ ਸ ਵ ਕਾ ਏ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਗਾਨੀ ਧੀ ਆ ਦ ਕਾ ਏ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ  
ਵੈ ਸੁ ਣ ਸ ਵ ਕਾ ਏ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ  
ਵੈ ਸੁ ਣ ਸ ਵ ਕਾ ਏ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ  
ਵੈ ਸੁ ਣ ਸ ਵ ਕਾ ਏ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ  
ਵੈ ਸੁ ਣ ਸ ਵ ਕਾ ਏ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ  
ਵੈ ਸੁ ਣ ਸ ਵ ਕਾ ਏ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ  
ਵੈ ਸੁ ਣ ਸ ਵ ਕਾ ਏ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ ਪ੍ਰਦੁਕੁ ਰੀ ਸੁ ਦ ਗਾ ਏ। ਇਵਾਨੁ ਦ ਪੀ ਪੈ





‘’ । དැංචු තේ ම විශ්වාස සඳහා හේතුව නො අනුරූප බෙඟු නී । සැංචු තේ ම විශ්වාස සඳහා හේතුව නො අනුරූප බෙඟු නී । සැංචු තේ ම විශ්වාස සඳහා හේතුව නො අනුරූප බෙඟු නී । සැංචු තේ ම විශ්වාස සඳහා හේතුව නො අනුරූප බෙඟු නී । සැංචු තේ ම විශ්වාස සඳහා හේතුව නො අනුරූප බෙඟු නී । සැංචු තේ ම විශ්වාස සඳහා හේතුව නො අනුරූප බෙඟු නී । සැංචු තේ ම විශ්වාස සඳහා හේතුව නො අනුරූප බෙඟු නී ।

‘’ । සැංචු තේ ම විශ්වාස සඳහා හේතුව නො අනුරූප බෙඟු නී । සැංචු තේ ම විශ්වාස සඳහා හේතුව නො අනුරූප බෙඟු නී । සැංචු තේ ම විශ්වාස සඳහා හේතුව නො අනුරූප බෙඟු නී ।

‘’ । සැංචු තේ ම විශ්වාස සඳහා හේතුව නො අනුරූප බෙඟු නී ।





736  
737  
738  
739  
740  
741  
742  
743  
744  
745  
746  
747  
748  
749  
750  
751  
752  
753  
754  
755  
756  
757  
758  
759  
760  
761  
762  
763  
764  
765  
766  
767  
768  
769  
770  
771  
772  
773  
774  
775  
776  
777  
778  
779  
780  
781  
782  
783  
784  
785  
786  
787  
788  
789  
790  
791  
792  
793  
794  
795  
796  
797  
798  
799  
800  
801  
802  
803  
804  
805  
806  
807  
808  
809  
810  
811  
812  
813  
814  
815  
816  
817  
818  
819  
820  
821  
822  
823  
824  
825  
826  
827  
828  
829  
830  
831  
832  
833  
834  
835  
836  
837  
838  
839  
840  
841  
842  
843  
844  
845  
846  
847  
848  
849  
850  
851  
852  
853  
854  
855  
856  
857  
858  
859  
860  
861  
862  
863  
864  
865  
866  
867  
868  
869  
870  
871  
872  
873  
874  
875  
876  
877  
878  
879  
880  
881  
882  
883  
884  
885  
886  
887  
888  
889  
890  
891  
892  
893  
894  
895  
896  
897  
898  
899  
900  
901  
902  
903  
904  
905  
906  
907  
908  
909  
910  
911  
912  
913  
914  
915  
916  
917  
918  
919  
920  
921  
922  
923  
924  
925  
926  
927  
928  
929  
930  
931  
932  
933  
934  
935  
936  
937  
938  
939  
940  
941  
942  
943  
944  
945  
946  
947  
948  
949  
950  
951  
952  
953  
954  
955  
956  
957  
958  
959  
960  
961  
962  
963  
964  
965  
966  
967  
968  
969  
970  
971  
972  
973  
974  
975  
976  
977  
978  
979  
980  
981  
982  
983  
984  
985  
986  
987  
988  
989  
990  
991  
992  
993  
994  
995  
996  
997  
998  
999  
1000

137  
138  
139

140  
141  
142

143  
144  
145

146  
147  
148

149  
150  
151

152  
153  
154

155  
156  
157

158  
159  
160

161  
162  
163

164  
165  
166

167  
168  
169

170  
171  
172

173  
174  
175

176  
177  
178

179  
180  
181

182  
183  
184

185  
186  
187

188  
189  
190

191  
192  
193

194  
195  
196

197  
198  
199

200  
201  
202

203  
204  
205

206  
207  
208

209  
210  
211

212  
213  
214

215  
216  
217

218  
219  
220

221  
222  
223

224  
225  
226

227  
228  
229

230  
231  
232

233  
234  
235

236  
237  
238

239  
240  
241

242  
243  
244

245  
246  
247

248  
249  
250

251  
252  
253

254  
255  
256

257  
258  
259

260  
261  
262

263  
264  
265

266  
267  
268

269  
270  
271

272  
273  
274

275  
276  
277

278  
279  
280

281  
282  
283

284  
285  
286

287  
288  
289

290  
291  
292

293  
294  
295

296  
297  
298

299  
300  
301

302  
303  
304

305  
306  
307

308  
309  
310

311  
312  
313

314  
315  
316

317  
318  
319

320  
321  
322

323  
324  
325

326  
327  
328

329  
330  
331

332  
333  
334

335  
336  
337

338  
339  
340

341  
342  
343

344  
345  
346

347  
348  
349

350  
351  
352

353  
354  
355

356  
357  
358

359  
360  
361

362  
363  
364

365  
366  
367

368  
369  
370

371  
372  
373

374  
375  
376

377  
378  
379

380  
381  
382

383  
384  
385

386  
387  
388

389  
390  
391

392  
393  
394

395  
396  
397

398  
399  
400

401  
402  
403

404  
405  
406

407  
408  
409

410  
411  
412

413  
414  
415

416  
417  
418

419  
420  
421

422  
423  
424

425  
426  
427

428  
429  
430

431  
432  
433

434  
435  
436

437  
438  
439

440  
441  
442

443  
444  
445

446  
447  
448

449  
450  
451

452  
453  
454

455  
456  
457

458  
459  
460

461  
462  
463

464  
465  
466

467  
468  
469

470  
471  
472

473  
474  
475

476  
477  
478

479  
480  
481

482  
483  
484

485  
486  
487

488  
489  
490

491  
492  
493

494  
495  
496

497  
498  
499

500  
501  
502

503  
504  
505

506  
507  
508

509  
510  
511

512  
513  
514

515  
516  
517

518  
519  
520

521  
522  
523

524  
525  
526

527  
528  
529

529  
530  
531

532  
533  
534

535  
536  
537

538  
539  
540

541  
542  
543

544  
545  
546

547  
548  
549

549  
550  
551

552  
553  
554

555  
556  
557

558  
559  
559

560  
561  
562

563  
564  
565

566  
567  
568

569  
570  
571

572  
573  
574

575  
576  
577

578  
579  
579

580  
581  
582

583  
584  
585

586  
587  
588

589  
590  
591

592  
593  
594

595  
596  
597

598  
599  
599

600  
601  
602

603  
604  
605

606  
607  
608

609  
610  
611

612  
613  
614

615  
616  
617

618  
619  
619

620  
621  
622

623  
624  
625

626  
627  
628

629  
630  
631

632  
633  
634

635  
636  
637

638  
639  
639

640  
641  
642

643  
644  
645

646  
647  
648

649  
650  
651

652  
653  
654

655  
656  
657

658  
659  
659

660  
661  
662

663  
664  
665

666  
667  
668

669  
670  
671

672  
673  
674

675  
676  
677

678  
679  
679

680  
681  
682

683  
684  
685

686  
687  
688

689  
690  
691

692  
693  
694

695  
696  
697

698  
699  
699

700  
701  
702

703  
704  
705

706  
707  
708

709  
710  
711

712  
713  
714

715  
716  
717

718  
719  
719

720  
721  
722

723  
724  
725

726  
727  
728

729  
730  
731

732  
733  
734

735  
736  
737

738  
739  
739

740  
741  
742

743  
744  
745

746  
747  
748

749  
750  
751

752  
753  
754

755  
756  
757

758  
759  
759

760  
761  
762

763  
764  
765

766  
767  
768

769  
770  
771

772  
773  
774

775  
776  
777

778  
779  
779

780  
781  
782

783  
784  
785

786  
787  
788

789  
790  
791

792  
793  
794

795  
796  
797

798  
799  
799

800  
801  
802

803  
804  
805

806  
807  
808

809  
810  
811

812  
813  
814

815  
816  
817

818  
819  
819

820  
821  
822

823  
824  
825

826  
827  
828

829  
830  
831

832  
833  
834

835  
836  
837

838  
839  
839

840  
841  
842

843  
844  
845

846  
847  
848

849  
850  
851

852  
853  
854

855  
856  
857

858  
859  
859

860  
861  
862

863  
864  
865

866  
867  
868

869  
870  
871

872  
873  
874

875  
876  
877

878  
879  
879

880  
881  
882

883  
884  
885

886  
887  
888

889  
890  
891

892  
893  
894

895  
896  
897

898  
899  
899

900  
901  
902

903  
904  
905

906  
907  
908

909  
910  
911

912  
913  
914

915  
916  
917

918  
919  
919

920  
921  
922

923  
924  
925

926  
927  
928

929  
930  
931

932  
933  
934

935  
936  
937

938  
939  
939

940  
941  
942

943  
944  
945

946  
947  
948

949  
950  
951

952  
953  
954

955  
956  
957

958  
959  
959

960  
961  
962

963  
964  
965

966  
967  
968

969  
970  
971

972  
973  
974

975  
976  
977

978  
979  
979

980  
981  
982

983  
984  
985

986  
987  
988

989  
990  
991

992  
993  
994

995  
996  
997

998  
999  
1000



539 यात्रा के दौरान लिखा गया अन्यतरीकरण का एक उदाहरण है।



४५३

४५४

४५५

४५६

४५७

४५८

४५९

४६०

४६१

४६२

४६३

४६४

। कुसुम ग्रन्थम् विश्वदीदा । पर्वत कुबेर ग्रन्थम् विश्वदीदा । विश्वदीदा । विश्वदीदा । विश्वदीदा । ॥

४५९